दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित करायें।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, शुक्रवार 10 दिसंबर 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-04, अंक- 73

महत्वपूर्ण एवं खास

त्रिपुरा में 4 उग्रवादियों ने बीएसएफ के समक्ष किया आत्मसमर्पण

अगरतला (आरएनएस)। त्रिपुरा के उनकोती जिले में चार उग्रवादियों ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि 'नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और 'कांगले यावल्कन्ना लुप (केवाईएल) के उग्रवादियों ने पानीसागर में बीएसएफ सेक्टर मुख्यालय में आत्मसमर्पण किया। बीएसएफ के सूत्रों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले एनएलएफटी के एक उग्रवादी ने तीन अगस्त, 2021 को धलाई जिले के गंगानगर इलाके में मुठभेड़ में शामिल होने की बात स्वीकार की है, जिसमें बीएसएफ के दो जवान शहीद हो गए थे। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, '' आगे की जांच के लिए उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

फार्मास्युटिकल बिल राज्यसभा में पेश किया जाएगा

नईदिल्ली (आरएनएस)। राज्यसभा में गुरुवार को विपक्ष के साथ गतिरोध के बीच नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (संशोधन) विधेयक, 2021 को पारित करने के लिए विचार करेगी जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के सदन में हेलिकॉप्टर दुर्घटना पर बयान देने की उम्मीद है। सूत्रों ने कहा, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया का प्रस्ताव है कि लोकसभा द्वारा पारित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च एक्ट, 1998 में और संशोधन करने वाले विधेयक पर विचार किया जाए। साथ ही यह प्रस्ताव दिया जाएगा कि विधेयक को पारित किया जाए। वाणिज्य, महिला सशक्तिकरण, इस्पात कोयला और खान पर स्थायी समिति की रिपोर्ट भी सदन को प्रस्तुत की जाएगी।

पाकिस्तान में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन का पहला मामला आया सामने

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोरोना वायरस (कोविड-19) के नये वेरिएंट ओमिक्रोन का पहला मामला सामने आया। सिंध के स्वास्थ्य विभाग ने यह जानकारी दी है। प्रांतीय स्वास्थ्य विभाग की प्रवक्ता मेहर खुर्शीद ने जानकारी देते हुए कहा कि कराची की एक महिला ओमिक्रोन से संक्रमित पाई गई है। उन्होंने कहा कि महिला को इलाज के लिये आगा खान यूनिवर्सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। संक्रमित महिला ने कोराना का टीका नहीं लगवाया है और उसका हाल में यात्रा का कोई इतिहास भी नहीं है।

जापान में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए

टोक्यो। जापान के कागोशिमा क्षेत्र में आज भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रती 6.0 मापी गयी। जापान मौसम एजेंसी ने यह जानकारी दी। जापान मौसम विभाग के अनुसार भूकंप के झटके स्थानीय समयानुसार सुबह 11ः05 बजे महूसूस किए गए। भूकंप का केंद्र 29.4 डिग्री उत्तर अक्षांश और 129.4 डिग्री पूर्व देशांतर तथा जमीनी सतह से 20 किमी की गहराई पर स्थित था। फिलहाल सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की गई है।

एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह के नेतृत्व में तीनों सेनाओं के दल ने शुरू की हेलीकॉप्टर दुर्घटना की जांच : राजनाथ

» घायल ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह वेलिंगटन के सैन्य अस्पताल में जीवन रक्षक प्रणाली पर

नईदिल्ली (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को संसद के दोनों सदनों को बताया कि तमिलनाडु के कुन्नूर में बुधवार को हुए हेलीकॉप्टर हादसे की जांच एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह के नेतृत्व में तीनों सेनाओं के एक दल ने शुरू कर दी है। इस हादसे में देश के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत सहित 13 लोगों की मृत्यु हो गई। राजनाथ सिंह ने पहले लोकसभा और बाद में राज्यसभा में दिये गए अपने बयान में कहा, ''प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत बुधवार को वेलिंगटन स्थित डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज के छात्रों से संवाद करने के लिए पूर्व निर्धारित यात्रा पर थे। सिंह के अनुसार, '' जनरल रावत ने अपनी पत्नी और 12 अन्य लोगों के साथ सुलुर से एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर से पूर्वाह्न 11 बजकर 48 मिनट पर वेलिंगटन के लिए उड़ान भरी थी। हेलीकॉप्टर को दोपहर 12 बजकर 15 मिनट पर वेलिंगटन में उतरना था। सुलूर वायु यातायात नियंत्रक का 12 बजकर 8 मिनट पर हेलीकॉप्टर से संपर्क टूट गया। बाद में कुन्नूर के पास जंगल में स्थानीय लोगों ने आग लगी देखी। मौके पर जाकर उन्होंने हेलीकॉप्टर को आग की लपटों से घिरा देखा जिसके बाद स्थानीय प्रशासन का एक बचाव दल वहां पहुंचा।

रक्षा मंत्री ने बताया कि हेलीकॉप्टर में से लोगों को निकालकर यथाशीघ्र वेलिंगटन के सैन्य अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में हेलीकॉप्टर में सवार कुल 14 लोगों में से 13 की मृत्यु हो गयी जिनमें सीडीएस जनरल रावत और उनकी पत्नी मधुलिका रावत भी शामिल हैं। सिंह ने बताया कि अन्य मृतकों में सीडीएस के रक्षा सलाहकार ब्रिगेडियर लखविंदर सिंह लिद्दर, सीडीएस के सैन्य सलाहकार एवं स्टाफ अफसर लेफ्टिनेंट कर्नल हरजिंदर सिंह, विंग कमांडर प्रतीक सिंह चौहान, स्क्वाड्रन लीडर कुलदीप सिंह, जूनियर वारंट अधिकारी राणा प्रताप दास, जूनियर अधिकारी अरक्कल प्रदीप, हवलदार सतपाल, नायक गुरसेवक सिंह, नायक जितेन्द्र कुमार, लांस नायक विवेक कुमार और लांस नायक वीर साई तेजा शामिल थे। उन्होंने बताया कि ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह वेलिंगटन के सैन्य अस्पताल में जीवन रक्षक प्रणाली पर हैं। रक्षा मंत्री ने सदन को बताया कि दिवंगत सैन्य कर्मियों के पार्थिव शरीर वायु सेना के विमान से आज शाम तक दिल्ली लाये जाएंगे। जनरल रावत का पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अन्य दिवंगत सैन्य कर्मियों का भी उचित सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी को कल ही दुर्घटना स्थल पर भेज दिया गया था और उन्होंने वहां जाकर स्थिति का जायजा लिया। सिंह ने बताया कि दुर्घटना की जांच के लिए एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में तीनों सेनाओं के एक दल द्वारा जांच किए जाने का आदेश दिया गया है और इस दल ने वेलिंगटन पहुंचकर जांच का काम शुरू कर दिया है। उन्होंने दिवंगत सैन्यकर्मियों को अपनी और पूरे देश की तरफ से श्रद्धांजलि देते हुए उनके परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की। दोनों सदनों में दिवंगत सैन्य कर्मियों के सम्मान में कुछ पलों का मौन रखा गया।

फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर 'ब्लैक बॉक्स' बरामद

कुन्नूर (तमिलनाडु) (आरएनएस)। रक्षा अधिकारियों ने तमिलनाडु में यहां बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर का फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर यानी 'ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया है। इस दुर्घटना में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी और 11 अन्य की मौत हो गयी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्राधिकारियों ने ब्लैक बॉक्स की तलाश का दायरा दुर्घटनास्थल से 300 मीटर दूर से बढ़ाकर एक किलोमीटर तक कर दिया था, जिसके बाद इसे बरामद कर लिया गया। सूत्रों ने बताया कि फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर समेत दो बॉक्स एक स्थान से बरामद किए गए हैं। हादसे की वजह का पता लगाने के लिए इन्हें दिल्ली या बेंगलुरू ले जाया जा सकता है। ब्लैक बॉक्स से बुधवार को पर्वतीय क्षेत्र में हुए इस हादसे से पहले के घटनाक्रम संबंधी अहम जानकारी मिलेगी। एमआई-17वीएच हेलीकॉप्टर के बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त होने और आग लगने से उसमें सवार 63 वर्षीय रावत, उनकी पत्नी और 11 अन्य की मौत हो गयी। हादसे में केवल एक व्यक्ति ही जीवित बचा है।

कातेरी-नंजप्पनचथिराम इलाके में जब यह दुर्घटना हुई, उस समय जनरल रावत डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी), वेलिंगटन में संकाय सदस्यों और छात्र अधिकारियों को संबोधित करने जा रहे थे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी बृहस्पतिवार को दुर्घटनास्थल गए और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इलाके का निरीक्षण किया। इस बीच, सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हो रहा है जिसमें एक हेलीकॉप्टर एक पर्वतीय इलाके के पास वायु क्षेत्र से गायब होते दिख रहा है। इस हेलीकॉप्टर को बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त हुआ हेलीकॉप्टर बताया जा रहा है। बहरहाल, वायु सेना ने इस वीडियो के बारे में कोई पुष्टि नहीं की है। ऐसा बताया गया है कि यह वीडियो एक पर्यटक ने बनाया है।

दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में विस्फोट से हड़कंप, मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड और पुलिसकर्मी

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के रोहिणी कोर्ट में रहस्यमय तरीके से एक विस्फोट की सूचना मिली है। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी है। अधिकारी के अनुसार, उत्तरी दिल्ली के रोहिणी कोर्ट में चैंबर नंबर 102 के अंदर रहस्यमय तरीके से एक विस्फोट के संबंध में सुबह 10.40 बजे एक कॉल आई थी। दमकल विभाग ने कम से कम सात दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि शायद लैपटॉप की वजह से ब्लास्ट हुआ है। जांच के लिए केबिन के आसपास सुरक्षा बढ़ाई गई है। ब्लास्ट किस तरह का है इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल कोर्ट में चल रहे सभी मामलों की सुनवाई रोक दी गई है। दिल्ली पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी करते हुए इसकी सुरक्षा बढ़ा दी है। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं। पुलिस ने अभी फिलहाल किसी तरह का आधिकारिक बयान नहीं दिया है। घटना के बाद रोहिणी कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। जो जहां मौजूद था वो वहां से सुरक्षित स्थान पर पहुंचने की कोशिश करने लगा। ब्लास्ट में दो लोगों के घायल होने की बात सामने आ रही है।

गुजरात दंगों में तत्कालीन सीएम मोदी को मिली क्लीन चिट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका

» शीर्ष अदालत ने फैसला रखा सुरक्षित

नईदिल्ली (आरएनएस)। 2002 के गुजरात दंगा मामले में राज्य के तत्कालीन सीएम नरेंद्र मोदी और अन्य कि भूमिका को विशेष जांच दल द्वारा क्लीन चिट को चुनौती देने वाली जकिया जाफरी कि याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया. जस्टिस एएम खानविलकर के नेतृत्व वाली पीठ ने जाकिया जाफरी और एसआईटी कि दलीलों पर गौर करने के बाद इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया.

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में याचिका कि योग्यता पर फैसला देगा, क्योंकि अभी तक जाकिया कि याचिका पर अदालत कि ओर से नोटिस भी नहीं किया गया है. याद रहे कि गुजरात सरकार कि ओर से जाकिया जाफरी की याचिका पर सवाल उठाए गए थे. गुजरात सरकार की ओर से कहा गया कि जाकिया की याचिका के माध्यम से एक्टिविस्ट तीस्ता सीतलवाड़ पॉट को उबालने की कोशिश कर रही है. गुजरात सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि याचिकाकर्ता की बड़ी साजिश है. सीतलवाड़ ने कुछ गवाहों को पढ़ा-लिखाया और बयान के लिए तैयार किया.

गुजरात सरकार ने एक्टिविस्ट तीस्ता सीतलवाड़ के एनजीओ पर भी सवाल उठाए और पैसों के गबन का आरोप लगाया. गुजरात सरकार ने कहा कि गरीबों की कीमत पर कोई व्यक्ति सुख का आनंद कैसे ले सकता है? यह एक पुरुष, एक महिला का ट्रस्ट है. एसआईटी की ओर से कहा गया कि अपराध 2002 से चल रहा है. पूरी शिकायत अफवाह है और कई आरोपी मर गए, गवाह चले गए. कब तक पॉट को उबालते रहोगे और उन्होंने 4.5 साल तक कुछ क्यों नहीं कहा?

एसआईटी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने तत्कालीन सीएम नरेंद्र मोदी के 'एक्शन-रिएक्शन' वाले बयान पर भी सुप्रीम कोर्ट में सफाई दी.

भीमा-कोरेगांव मामले में जेल से रिहा हुईं अधिवक्ता-कार्यकर्ता सुधा भारद्वाज, एनआईए कोर्ट ने इन शर्तों पर दी जमानत

मुंबई (आरएनएस)। भीमा-कोरेगांव मामले में पिछले तीन साल से जेल में बंद वकील और कार्यकर्ता सुधा भारद्वाज को गुरुवार को भायखला जेल से रिहा कर दिया गया है. भारद्वाज को एल्गार परिषद-माओवादी संबंध मामले में बंबई हाईकोर्ट से तकनीकी खामी के आधार पर डिफॉल्ट (स्वतः) जमानत मिली है. स्पेशल एनआईए कोर्ट ने बुधवार को कहा था कि सुधा भारद्वाज को 50 हजार रुपए के मुचलके पर जेल से रिहा किया जाएगा.

इतना ही नहीं, कोर्ट ने उनपर सख्त जमानत शर्तें भी लगाई हैं. जिनमें बिना इजाजत के मुंबई से बाहर न जाना और पासपोर्ट जमा कराना शामिल है. इसके अलावा, स्पेशल कोर्ट ने भारद्वाज को उस तरह की किसी भी गतिविधि में शामिल न होने की सख्त हिदायत भी दी है, जिसके आधार पर उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता और गैर-कानूनी गतिविधि निवारण कानून के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी.

बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2018 के भीमा कोरेगांव हिंसा मामले में सुधा को जमानत दी थी. हालांकि अभी उनकी रिहाई नहीं हो पाई थी, क्योंकि उनकी जमानत की शर्तें तय नहीं हुई थीं. हाईकोर्ट ने जमानत की शर्तें तय करने के लिए आठ दिसंबर को सुधा भारद्वाज को राष्ट्रीय जांच एजेंसी की स्पेशल कोर्ट में पेश करने का निर्देश दिया था. इस दौरान जांच एजेंसी ने सुधा भारद्वाज की जमानत के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी.

सुप्रीम कोर्ट ने भारद्वाज को जमानत पर रिहा किए जाने के बॉम्बे हाई कोर्ट के फेसले को चुनौती देने वाली एनआईए की अपील मंगलवार को खारिज कर दी थी. हाई कोर्ट ने एक दिसंबर को भारद्वाज को तकनीकी खामी के आधार पर जमानत प्रदान कर दी थी और विशेष एनआईए अदालत को उनकी जमानत की शर्तों और रिहाई की तारीख पर फैसला लेने का निर्देश दिया था. इसके बाद सामाजिक कार्यकर्ता को बुधवार को विशेष न्यायाधीश डीई कोठलिकर के समक्ष पेश किया गया. सुनवाई के दौरान भारद्वाज के वकील युग चौधरी ने कम जमानत राशि पर जोर दिया और कहा कि उनकी मुवक्किल फरार नहीं होंगी.

निलंबित सांसदों ने जनरल रावत और अन्य सैन्यकर्मियों के सम्मान में अपना धरना एक दिन के लिए स्थगित किया

नईदिल्ली (आरएनएस)। संसद के मॉनसून सत्र के दौरान उच्च सदन में ''अशोभनीय आचरण को लेकर शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किए गए राज्यसभा के 12 सदस्यों ने हेलीकॉप्टर दुर्घटना में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी और 11 अन्य सैन्यकर्मियों की मृत्य के मद्देनजर उनके सम्मान में बृहस्पतिवार को अपना धरना एक दिन के लिए निलंबित कर दिया। गत 29 नवंबर को निलंबन के बाद से ये सांसद यहां संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष धरना दे रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक निलंबन रद्द नहीं होगा, तब तक वे संसद की कार्यवाही के दौरान सुबह से शाम तक महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरने पर बैठेंगे। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कई अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने बृहस्पतिवार को बैठक की जिसमें यह फैसला लिया कि जनरल बिपिन रावत और 12 अन्य लोगों के सम्मान में यह धरना एक दिन के लिए निलंबित किया जाएगा। इसके बाद इन नेताओं ने कुछ देर के लिए मौन भी रखा। इनमें समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा और कुछ अन्य विपक्षी सांसद में शामिल थे।

भारतीय सैन्य अकादमी की कमांडेंट परेड रद्द, पीओपी पर भी संशय

» उत्तराखंड में 3 दिन का राजकीय शोक

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) देहरादून में आगामी 11 दिसंबर को पासिंग आउट परेड होनी प्रस्तावित है। उससे पहले आज यानी गुरुवार को होने वाली कमांडेंट की परेड को रद्द कर दिया गया है। सीडीएस जनरल बिपिन रावत के असामयिक निधन के चलते यह फैसला लिया गया है।

सीडीएस के निधन के बाद अब पासिंग आउट परेड के आयोजन पर भी संशय बना हुआ है। आईएमए पीआरओ कर्नल हिमानी पंत ने बताया कि आईएमए, देहरादून ने आज होने वाली कमांडेंट की परेड को रद्द कर दिया है। वहीं पासिंग आउट परेड आयोजित करने के संबंध में निर्णय सेना मुख्यालय से निर्देश प्राप्त करने के बाद लिया जाएगा। पीओपी से पहले मंगलवार को भी फुल ड्रेस में रिहर्सल परेड का आयोजन किया गया था। परेड में 319 भारतीय और 68 विदेशी जैंटलमैन कैडेट्स ने हिस्सा लिया, जो आगामी 11 दिसंबर को आईएमए से पास आउट होकर सेना में अधिकारी बनेंगे। 11 दिसंबर को देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी में 319 भारतीय और 68 विदेशी मित्रों के जेंटलमैन कैडेट्स पास आउट होकर लेफ्टिनेंट के तौर अधिकारी बनकर जिम्मेदारी संभालेंगे। इस बार मुख्य अतिथि भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद होंगे। हालांकि अब पीओपी होगी या नहीं या इसका स्वरूप कैसा होगा इसको लेकर फैसला नहीं लिया गया है।

तमिलनाडु के कुन्नूर में हेलीकॉप्टर क्रैश में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बिपिन रावत और उनकी पत्नी मधुलिका रावत सहित 13 लोगों की मौत से देश में शोक की लहर है। वहीं सीडीएस के गृह राज्य होने के चलते उत्तराखंड में तीन दिनों का राजकीय शोक घोषित किया गया है। सीडीएस बिपिन रावत के निधन पर पूरा उत्तराखंड शोक में डूब गया है। सीडीएस रावत के निधन पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने शोक जताया है। साथ ही सीएम ने प्रदेश में तीन दिनों के राजकीय शोक का ऐलान किया है।

दिल्ली में बाहर ही नहीं घरों के अंदर की हवा भी है दूषित, स्टडी में किया गया दावा

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली में घर के अंदर की हवा (इनडोर वायु प्रदूषण) का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानकों से 20 गुना अधिक है. शिकागो विश्वविद्यालय (ईपीआईसी इंडिया) में ऊर्जा नीति संस्थान के एक अध्ययन से पता चला है.अध्ययन में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि पीएम 2.5 (2.5 माइक्रोमीटर से कम व्यास वाले कण) का स्तर निकटतम बाहरी सरकारी मॉनिटरों द्वारा बताए गए स्तरों से काफी अधिक था. बुधवार को जारी किए गए अध्ययन से यह भी पता चला है कि कम आय वाले घरों की

तुलना में उच्च आय वाले घरों में एयर प्यूरीफायर रखने की संभावना 13 गुना अधिक थी, लेकिन इनडोर वायु प्रदूषण पर इसका प्रभाव केवल 10 प्रतिशत के आसपास था.

अध्ययन के प्रमुख लेखक केनेथ ली ने कहा, 'अध्ययन में आगे प्रदूषण मॉनिटर (आमतौर पर एयर प्यूरीफायर के साथ) वाले घरों में इनडोर पीएम2.5 के स्तर में 8.6 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, और कहा कि ऐसे निवासियों द्वारा सस्ती रक्षात्मक प्रथाओं और वेंटिलेशन व्यवहार में मामूली बदलाव करने की संभावना थी. दिल्ली में मुख्य बात यह है कि चाहे कोई अमीर हो या गरीब, किसी को भी स्वच्छ हवा में सांस लेने को नहीं मिलता है.' 'यह एक जटिल दुष्चक्र है. जब आप अपने घरों के अंदर प्रदूषण के स्तर के बारे में नहीं जानते हैं, तो आप इसके बारे में चिंता नहीं करते हैं, और इसलिए आपके सुधारात्मक कार्रवाई करने की संभावना कम होती है. जागरूकता बढ़ने से ही स्वच्छ हवा की मांग को गति मिल सकती है.

अध्ययन ने 2018 और 2020 के बीच अलग-अलग सामाजिक आर्थिक तबके के हजारों दिल्ली के घरों का सर्वेक्षण किया और पाया कि घर के अंदर पीएम2.5 का स्तर सुबह और शाम में बढ़ जाता है जब घरों में खाना पकाने की सबसे अधिक संभावना होती है.विशेषज्ञों ने कहा कि बाहरी प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ रही है, लेकिन लोग अभी भी इस बात से अनजान हैं कि उनके घरों, कार्यालयों और स्कूलों के अंदर की हवा भी अत्यधिक प्रदूषित कैसे हो सकती है.